इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम (18-29 जून 2018) रिपोर्ट

- पुनीत शुक्ल
असि० प्रोफ़ेसर, राजनीति विज्ञान विभाग
एन० आर० ई० सी० कॉलेज, खुर्जा

इस ट्रेनिंग प्रोग्राम का प्रारम्भ दिनांक 18 जून 2018 को प्रातः 9:30 बजे संस्थान के उप निदेशक प्रोफ़ेसर सप्तर्षि मुखर्जी द्वारा उद्घाटन और उनके उद्बोधन से हुआ। इसके उपरान्त डॉ० अम्बर जैन ने अपने व्याख्यान द्वारा शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग से परिचय कराया। लंच के बाद डॉ० जैन द्वारा क्रियाकलाप सत्र आयोजित किया गया। उसके बाद संस्थान के उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ० एस० के० पाठक द्वारा शिक्षा में शोध और इंटरनेट की उपयोगिता पर एक व्याख्यान दिया गया और पुस्तकों तथा आधुनिक तकनीकों से समृद्ध विशाल पुस्तकालय का भ्रमण भी कराया गया।

इसी तरह प्रतिदिन प्रातः 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक संस्थान के विद्वान प्राध्यापकों और अतिथि वक्ताओं द्वारा महत्वपूर्ण व्याख्यानों और क्रियाकलाप सत्रों द्वारा हमें शिक्षण और अधिगम की विभिन्न तकनीकों और समावेशी शिक्षण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की जाती रहीं। शिक्षण तकनीकों के साथ ही शिक्षा से सम्बंधित कुछ अन्य महत्वपूर्ण विषयों जैसे 'शिक्षा में नैतिकता', 'किशोरों की भावनात्मक समस्याएँ और चुनौतियाँ', 'ई-गवर्नेंस' और 'विश्वविद्यालय प्रशासन' आदि में अति महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित हुए।

हमारे विभाग में स्नातक और परास्नातक कक्षाओं के छात्रों को राजनीति विज्ञान पढ़ाया जाता है। इसके अंतर्गत जो पाठ्यक्रम है, उसमें पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन, मार्क्स के बाद का राजनीतिक चिंतन, प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन, आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन, राजनीतिक सिद्धान्त, तुलनात्मक राजनीति, समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त, भारतीय संवैधानिक व्यवस्था, लोक प्रशासन, भारतीय प्रशासन, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, शीतयुद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, भारत में राजनीति और राजनीतिक समाजशास्त्र, राज्यों की राजनीति विषयों का शिक्षण होता है।

यदि मुझे पाठ्यक्रम में सुधार करने का अवसर मिला तो मैं इन विषयों के साथ ही स्नातक और परास्नातक में एक अतिरिक्त क़्वालीफाईंग पेपर जोड़ने का सुझाव दूँगा जिसमें शिक्षण और अधिगम की तकनीकें तथा शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग

आदि की जानकारी प्रदान की जाए।

आई० आई० एस० एस० आर० भोपाल का सुन्दर, स्वच्छ और विभिन्न प्रकार के पेड़, पौधों और पुष्पों से सुसज्जित विशाल परिसर प्रतिपल आकर्षित और प्रभावित करता रहा। अत्याधुनिक तकनीकों से लैस कक्षाएँ, कक्षा कक्ष में सचल कुर्सी और मेजों का प्रबन्ध, दीवारों पर लगे व्हाइट्सबोर्ड, बड़े एल० ई० डी० स्क्रीन आदि सभी के आवश्यकताओं को पूरा करने वाले तथा समावेशी शिक्षा के उद्देश्य को पूरा करने वाले थे।

इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान बताई गयी कई तकनीकों ने प्रभावित किया। जिसमें एल० एम० एस०, ब्लेंडेड लर्निंग, गूगल क्लासरूम, शिक्षण में सोशल मीडिया का प्रयोग और सुकरातीय विधि(Socratic Method) ने काफी प्रभावित किया।

हमारे कॉलेज में आधुनिक कक्षाओं और इंटरनेट की सुचारू और निर्बाध व्यवस्था के अभाव के कारण इस इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम में बताई गई सभी तकनीकों का प्रयोग अभी संभव नहीं है लेकिन यहाँ से जाने के बाद अपने शिक्षण में गूगल क्लासरूम, सुकरातीय विधि(Socratic Method) और शिक्षण में सोशल मीडिया का यथसंभव प्रयोग करके शिक्षण-अधिगम को और अधिक प्रभावी तथा समावेशी बनाने का प्रयास करेंगे। कक्षा में सुकरातीय विधि का प्रयोग करने से सभी को बोलने का अवसर मिलता है। इसमें कक्षा की शुरुआत सामान्य प्रश्नों, प्रचलित मान्यताओं और छात्रों के पूर्व ज्ञान से होती है। इससे कक्षा के सभी छात्र शिक्षण-अधिगम प्रकिया से जुड़ जाते हैं, उनका उत्साह बना रहता है और कक्षा-शिक्षण जीवन्त रहता है। इसके अलावा, सोशल मीडिया में किसी निश्चित समय में छात्रों से प्रश्न माँगकर उनका उत्तर तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। इससे छात्रों का भय दूर होगा और वे जिन प्रश्नों, शंकाओं, भ्रमों और जिज्ञासाओं का निवारण कक्षा शिक्षण के दौरान नहीं कर पाए, उसका समाधान वे कक्षा के बाहर प्राप्त कर सकेंगे। इससे उनका ज्ञानवर्द्धन होगा और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी जो उन्हें एक अच्छा विद्यार्थी और एक अच्छा इंसान बनने में सहायक होगा।

अंत में मैं इस महत्वपूर्ण इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिये आई० आई० एस० एस० आर० भोपाल के निदेशक और समस्त स्टाफ़ का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ।

दिनांक: 28/06/2018